Report and Accounts (1985-86) of theBengal Immunity Limited, Calcuttaand related papers

THE MINISTER. OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETROCHEMICALS IN THE DEPARTMENT OF CHEMI-(SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): Sir, I beg to lay on the Table, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956, a copy each (in English and Hindi) of the following Papers: —

(i) Second Annual Report and Accounts of the Bengal Immunity Limited, Calcutta, for the year' 1985-86, together with the Auditor's Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and Audi tor General of India thereon.

(ii) Review by Government on the working of the Company.

[Placed in Library. *See* No. LT-4443. - A|87 for (i) and (ii)].

LEAVE OF ABSENCE TO SHRI RAMKRISHNA MAZUMDER

MR. CHAIRMAN: I have to inform that I have received a letter, dated the 19th April 1987, from Shri Ram-krishna Mazumder to the effect that due to serious illness he is not in a position to attend the current session of the Rajya Sabha. He has accordingly requested for the grant of leave of absence from all the sittings of the Rajya Sabha during the current session.

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Shri Ram-krishna Mazumder for remaining absent from all the sittings of the House during the current session?

(No honourable Member dissented)

MR. CHAIRMAN: Permission to re main *Absent* is granted.

REFERENCE TO THE PUNJAB SITUATION

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (दिल्ली प्रदेश) : सभापति जी, पंजाब की परिस्थिति बहुत खराब हो गयी है। प्रति दिन हत्याएं हो रही हैं और ऐसा लगता है कि एक समानान्तर सरकार उग्रवादी चला रहे हैं। उनका उद्देश्य यह दिखता है कि जनता के मन में यह विश्वास पैदा करें कि हुकूमत चाहे जिसकी हो औपचारिक रूप से हुक्म उन्हीं का चलेगा लेकिन सभापति जी, यह स्थिति पिछले साल भर से रही है और लगातार बिगड़ती गयी है आज नहीं हुई है। पिछले साल भी एक समय ऐसा आया जब तीन जिलों में यह स्थिति हमको दिखाई दी जब हमने प्रधान मंत्री जी से मांग की थी कि उन तीन जिलों में कम से कम सेना को सिविल अथोरिटी की सहायता के लिए बुला लिया जाय। सभापति जी, मुझे इस बात का खेद है, दुर्भाग्यपूर्ण मानता हूं कि साल भर लगातार हमारी ओर से इस बारे में मांगें किए जाने के बावजूद कि वहां पर कोई सरकार नहीं है, वहां पर कोई सुरक्षा की व्यवस्था नहीं है हमारी बात को न केवल नजरअंदाज किया जाता था बल्कि उसका मजाक भी उड़ाया जाता था। आज से आठ महीने पहले से लगातार कहते आए हैं कि केन्द्र सीधी जवाबदारी ले हमारी यह मान्यता रही है कि वहां पर जो कुछ होता रहा है या नहीं होता रहा है उसके लिए वास्तविक रूप से केन्द्र जिम्मेदार है बरनाला सरकार को एक शॉक-अब्जरवर के नाते केन्द्र ने माना हुआ स्वीकार किया इसलिए रखा है इन दिनों में जब राष्ट्रपति-शासन की चर्चा होने लगी है, इस बात की संभावना लगने लगी है कि राष्ट्रपति शासन लागू किया जाएगा, मेरी पार्टी तो उसका समर्थन करेगी मैं उसको उचित समझता हूं लेकिन उसके मन्तव्यों को राजनीतिक बेईमानी मानता हूं। आज क्योंकि यह हरियाणा के चुनाव होने वाले हैं, इसलिए राष्ट्रपति-शासन लागू किया जाये हरियाणा के मतदाताओं को क्या हम इतना मूर्ख समझते हैं, उन पर प्रभाव नहीं होगा . . . (**व्यवधान**) . . .